TEACHER TRANING COLLEGE

07 C-11 Guidance & Counselling

03 Tuesday Wk-11/Day (066-299)

Vocational Service Guidance

शिक्षा को एक उत्तम विनियोग मानते हैं आज के सन्दर्भ में प्रत्येक माता-पिता अपने बच्चों को उत्तम तथा उच्च शिक्षा देना चाहता है और शिक्षा पर कुछ भी व्यय करने के लिए तत्पर रहता है। इस दिशा में वह प्रयास भी करता है। शिक्षा प्रक्रिया द्वारा भावी जीवन की तैयारी होती है। शिक्षा समाप्त करने के उपरान्त किसी व्यवसाय में स्थान पा लेगा। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के उपरान्त व्यवसाय ढूंढना नहीं पड़ता अपितु इसका स्थानापन्न पाठ्यक्रम से सुनिश्चित हो जाता है इसलिए आज व्यवसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु भारी भीड़ है।

1) स्थानापन्न सेवा (Placement Services)
2) अनुगामी सेवा (follow-up Services)
3) शोध सेवा (Research Services)

व्यवसायिक निर्देशन से छात्रों की योग्यताओं तथा क्षमताओं के अनुरूप ही स्थानापन्न के लिए सुझाव तथा निर्देशन दिया जाता है परन्तु शैक्षिक तथा व्यवसायिक निर्देशन के अंत में इस बात पर बल दिया जाता है कि छात्र को उपयुक्त व्यवसाय में स्थान दिलाया जाए। किसी व्यवसाय तथा व्यवसाय के प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपयुक्त स्थान दिलाने की क्रिया है।

/Email/Notes

FEBRUARY

स्थानापन सेवा
PLACEMENT SERVICE

स्थानापन सेवा का अर्थ होता है कि छात्र को उसकी योग्यताओं, क्षमताओं तथा गुणों के अनुसार उपयुक्त स्थान दिलाया जाये। जिससे वह सुगमता से समायोजन करके उसमें सफल हो सके। अनेक विद्वानों ने स्थानापन सेवा की परिभाषा भी की है।

According to clifford. P. forchlich — स्थानापन सेवा उन सभी क्रियाओं की ओर अनुस्मारित करती है जो छात्र को उसकी जीविका हेतु व्यवसाय या रोजगार अथवा शैक्षिक क्रियाओं या शैक्षिक प्रशिक्षण में प्रवेश के लिए सहायता की जाती या निर्देशन किया जाता है। जिससे वह उसमें पर्याप्त समायोजन करके सफल हो सके।

Scanned with CamScanner

Page No.
Date :

~~Follow up Services~~

Approaches to Counselling

Directive

पेशेवर परामर्शदाताओं द्वारा उपयोग किए जाने वाले विभिन्न दृष्टिकोण हैं। वास्तव में तीन मुख्य दृष्टिकोण हैं जो मनोवैज्ञानिक, मानवतावादी और व्यवहारिक हैं। इनमें से प्रत्येक के पास एक अलग सिद्धांत और विचार है जो उसे रेखांकित करता है, और प्रत्येक का उपयोग करने वाले चिकित्सक और परामर्शदाता विभिन्न तरीकों से समस्याओं और मुद्दों का सामना करेंगे। ये तीन मुख्य प्रत्येक व्यक्ति की कई चिकित्साओं का समर्थन करते हैं। कुछ उस्ताद एक से अधिक दृष्टिकोण से विचारों का उपभोग कर सकते हैं, लेकिन अधिक लचीले होते हैं। और एक से अधिक विधियों से तकनीकों का उपयोग कर सकते हैं।

साइकोडायनामिक काउंसलिंग

सिगमंड फ्रायड (1856-1939) के काम से विकसित हुई। एक मनोवैज्ञानिक डॉक्टर के रूप में अपने करियर के दौरान, फ्रायड कई रोगियों के पास आया। जो उन चिकित्सा स्थितियों से पीड़ित थे।

Scanned with CamScanner

जिसके पास कोई 'शारीरिक कारण' नहीं था इससे उन्हें विश्वास हो गया कि ऐसी बीमारियों की उत्पति रोगी के अचेतन मास्तिष्क में होती है।

इसलिए फ्रायड ने अचेतन मन की जाँच शुरू कर दी, ताकि वह अपने रोगियों को समझ सके और उन्हें ठीक करने में मदद कर सके। समय के साथ, फ्रायड के कई मूल विचारों को अनुकूलित, विकसित, अपहेलना या बहिनाम किया गया है इसलिए उनका उपयोग विचार और अभ्यास के विभिन्न स्कूलों में किया जाता है। लोगों और उनकी समस्याओं का सही ज्ञान, मानव मन के तीन विशेष क्षेत्रों की समझ के माध्यम से संभव है।

i) चेतना ii) अवचेतन iii) अचेतन

फ्रायड ने कहा कि व्यक्तित्व में तीन संबंधित तत्व होते हैं।

i) इद ii) अहंकार iii) Superego

इसलिए मनोचिकित्सा, परामर्श का मुख्य लक्ष्य लोगों को उनके व्यक्तित्व के तीन तत्वों को संतुलित करने में मदद करना है ताकि न तो इद, और न ही सुपरईगो प्रमुख हो परामर्श इसलिए लंबी प्रक्रिया है और मुख्य रूप से इसका उपयोग तब किया जाता है, जब लोग गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे होते हैं, जो अन्य तरीकों का उपयोग करके हल नहीं होते हैं।

Scanned with CamScanner

Non-Directive

मनोचिकित्सा और परामर्श के अन्य रूपों में, गैर-प्रत्यक्षता का अर्थ है कि चिकित्सक व्यवहार 'तटस्थता', अर्थात् व्यक्ति के दृष्टिकोण के लिए जिज्ञासा, स्वीकृति, रुचि और सम्मान का स्वपरस्वाव और इसके लिए स्थिति लेने से बचना, या एक विशेष परिणाम या व्यवहार परिवर्तन (मैकिनॉन और जेम्स 1987) के खिलाफ। अपने स्वयं के हद विश्वासों की पैरवी करने से मना कर देता है... जैसा कि असंगत रूप से सच है, या जैसा कि सभी ने साझा किया है सबसे समझदार और बुद्धिमान लोग, या अपने सबसे मजबूत अर्थ में, तटस्थता का अर्थ यह होगा कि काउंसलर चर्चा के तहत एक मुद्दे पर अपने स्वयं के मूल विश्वासों से परहेज करता है।

गैर-निर्देशात्मक परामर्श

ग्राहकों द्वारा किए गए स्वागत, निर्णय का प्रचार है, इसकी परिभाषा और संचालन में निरंतरता की कमी है। और इस कमी की कमी है, जबकि काउंसलिंग लिटरेचर में निश्चित रूप से आम सहमति दिखाई देती है। गैर-निर्देशात्मक परामर्श को परिभाषित करके इस समस्या को दूर करने का प्रयास करता है।

क्योंकि ग्राहक की स्वायत्तता और स्वयं-निर्देशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रक्रियाएं। विलोह टिप्पणी करती है कि ग्राहकों को एक बुद्धिमानी के निर्णय पर पहुंचने के बजाय असमंजस्य से निर्णय लेने में मदद करना (रजविक 2000 में)। उद्देश्य हैं ग्राहकों की उनकी ताकत और उपलब्धियों पर काम करने में मदद करना और निर्णय निर्माता के रूप में उनकी क्षमता में आत्मविश्वास महसूस करने में सहायता करना। गैर निर्देशन कभी भी वास्तव में प्राप्त करने योग्य है,

विशेष रूप से क्योंकि, जानकारी देना हमेशा व्यक्ति के परिस्थितियों के विशिष्ट सेट के अनुरूप होता है। और इस तरह, हमेशा उनके निर्णयों को प्रभावित करेगा।

इसके मूल में, गैर-निर्देशन केवल मूल परामर्श कौशल है। जो एक मानवतावादी तरीके से उपयोग किया जाता है, आपके परामर्श सत्र में एक गैर-निर्देशात्मक स्वर लेने के इरादे गिर्द है, जिसका उद्देश्य गर्भावस्था से जुड़ी समस्याओं वाली महिलाओं को उनकी मौजूदा स्थिति के सभी पहलुओं पर विचार करने में सहायता करना है। ऐसे कई गैर-प्रत्यक्ष उपचार हैं जिनके बारे में आपको आगे की जानकारी और प्रशिक्षण प्राप्त करने में रुचि हो सकती है।